दैनिक
न्याय साक्षी
अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्याससाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 | Postal Registration No-055/Raigarh DN CG | रायगढ़, गुरुवार 20 मार्च 2025 | पृष्ठ-4, मूल्य 3 रुपए | वर्ष-07, अंक- 168

महत्वपूर्ण एवं खास

अमेरिका का सबसे बड़ा राज : ट्रंप के आदेश के बाद कैनेडी हत्या से जुड़ी 11,00 से अधिक फाइलें सार्वजनिक

वाशिंगटन। ट्रंप प्रशासन ने संयुक्त राज्य अमेरिका के 35वें राष्ट्रपति जॉन एफ. कैनेडी की हत्या से संबंधित फाइलों को सार्वजनिक कर दिया। कैनेडी की 1963 में टेक्सास में गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के आदेश के बाद अब यह दस्तावेज जनता के लिए पूरी तरह सुलभ हो गए हैं। इसे सरकारी पारदर्शिता में एक 'बड़ा कदम' माना जा रहा है। अमेरिकी खुफिया प्रमुख तुलसी गबार्ड ने एक्स पर इस कदम की घोषणा करते हुए कहा, राष्ट्रपति ट्रंप अधिकतम पारदर्शिता के एक नए युग की शुरुआत कर रहे हैं। आज, उनके निर्देशानुसार, पहले से संपादित जेएफके हत्याकांड की फाइलें बिना किसी संशोधन के जनता के लिए जारी की जा रही हैं। वादे किए गए, वादे पूरे हुए। इस फैसले की वजह से 1,100 से अधिक फाइलें सामने आई हैं, जिनमें 31,000 पृष्ठ है। इन दस्तावेजों में सीआईए मेमो, एफबीआई रिपोर्ट और राजनयिक केबल शामिल हैं, जो कैनेडी की हत्या को लेकर लंबे समय से चल रही अटकलों पर प्रकाश डालते हैं। इतिहासकार, शोधकर्ता और षड्यंत्र सिद्धांतकार लंबे समय से जेएफके की मौत से जुड़ी घटनाओं को पूरी तरह से समझने की कोशिश कर रहे हैं। कई एक्सपर्ट मानते हैं कि नई उपलब्ध फाइलें मौजूदा ऐतिहासिक कहानी में बहुत ज़्यादा बदलाव नहीं ला सकती हैं। फिर भी लोगों में इस बात को लेकर आकर्षण बना हुआ है कि पूरी सच्चाई अभी भी गुप्त रखी गई है, जिससे नए सिरे से जांच और बहस को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। कैनेडी ने 22 नवंबर, 1963 को डलास, टेक्सास का दौरा किया। कैनेडी अपनी पत्नी जैकलीन, टेक्सास के गवर्नर जॉन कोनली और कोनली की पत्नी नेली के साथ खुली कार में शहर से गुजर रहे थे। तभी गोलियां चलीं।

पाकिस्तान : जाफर ट्रेन अपहरण के बाद बलूचिस्तान और केपी में आतंकी हमलों में बढ़ोतरी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के हिंसा प्रभावित खैबर पख्तूनख्वा (केपी) और बलूचिस्तान प्रांतों में सुरक्षाकर्मियों के खिलाफ लक्षित आतंकवादी हमलों में तेजी देखी जा रही है। हालांकि पिछले 24 घंटों में आतंकवाद विरोधी अभियानों में कई आतंकवादी हताहत भी हुए। हमलों का यह ताजा सिलसिला बोलन दर्रे में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के सदस्यों द्वारा जाफर एक्सप्रेस यात्री ट्रेन अपहरण के बाद शुरू हुआ है। इस हमले में 18 सुरक्षाकर्मियों सहित कम से कम 26 बंधकों की हत्या कर दी गई थी। दो दिन के ऑपरेशन के दौरान पांच सुरक्षाकर्मी भी शहीद हो गए। नवीनतम जानकारी के अनुसार, केपी और बलूचिस्तान के विभिन्न हिस्सों से ताजा झड़पों की सूचना मिली है। पुलिस अधिकारियों, कांस्टेबलों, सुरक्षा कर्मियों और अन्य लोगों पर घात लगाकर हमले किए गए। पुलिस सूत्रों ने कहा कि केपी प्रांत में विभिन्न हमलों में एक पुलिसकर्मी की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया, जबकि कम से कम छह आतंकवादी मारे गए। केपी के बन्नू शहर में हथियारबंद मोटरसाइकिल सवारों ने लोअर हेड कांस्टेबल (एलएचसी) को निशाना बनाया, जब वह मीरानशाह रोड पर ड्यूटी पर था। हमले में कांस्टेबल की मौत हो गई, जबकि हमलावर मौके से भाग निकले।केपी पुलिस और आतंकवाद निरोधी विभाग (सीटीडी) के कमांडो ने बन्नू में एक ऑपरेशन (आईबीओ) के दौरान दो आतंकवादियों को मार गिराया।

9 महीने 14 दिन बाद पृथ्वी पर लौटीं सुनीता विलियम्स, फ्लोरिडा समुद्र तट पर लैंडिंग; डॉल्फिन्स ने किया स्वागत

फ्लोरिडा

अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर, साथ ही नासा के निक हैग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोर्बुनोव, नौ महीने 14 दिन के लंबे मिशन के बाद पृथ्वी पर वापस लौटे हैं। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा सुरक्षित रूप से फ्लोरिडा के तट पर उतारा गया था। धरती पर लौटे अंतरिक्ष यात्रियों को एक सुंदर और अप्रत्याशित अनुभव हुआ। उनका स्वागत डॉल्फिन्स ने किया। ड्रैगन कैप्सूल के समुद्र में उतरते ही डॉल्फिन कैप्सूल के आसपास तैरते हुए देखे गए।

यह एक लगभग जादुई क्षण था जब डॉल्फिन ने ड्रैगन कैप्सूल के चारों ओर चक्कर लगाया, इससे पहले कि इसे रिकवरी पोत पर रखा जाता। रिकवरी टीम ने कैप्सूल के साइड हैच को सावधानी से खोला, जो सितंबर के बाद से पहली बार खुला था। अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया और 45 दिनों के पुनर्वास कार्यक्रम के लिए ह्यूस्टन ले जाया गया। क्रू-9 की पृथ्वी पर वापसी में अपनी चुनौतियां थीं।

मूल रूप से, यह मिशन (जो बोइंग के स्टारलाइनर की पहली चालक दल वाली उड़ान होने वाला था) केवल आठ दिनों तक चलने वाला था। हालांकि, स्टारलाइनर कैप्सूल के साथ तकनीकी समस्याओं के कारण, विलियम्स और विलमोर अंतरिक्ष में फंस गए थे। स्टारलाइनर के प्रणोदन समस्याओं के चलते सितंबर में इसकी वापसी बिना चालक दल के हुई।

वापसी की अनिश्चितता के कारण, नासा ने अंतरिक्ष यात्रियों को स्पेसएक्स के क्रू-9 मिशन में फिर से सौंप दिया। सितंबर में, स्पेसएक्स ने उन्हें वापस लाने के लिए एक ड्रैगन अंतरिक्ष यान भेजा, जिसमें चार के बजाय केवल दो चालक दल के सदस्य थे, ताकि फंसे हुए अंतरिक्ष यात्रियों को समायोजित किया जा सके। फाल्कन 9 रॉकेट पर ड्रैगन कैप्सूल को मिशन के लिए लॉन्च किया गया था। क्रू-10 ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर क्रू-9 की जगह ले ली है।

धरती पर स्वागत है, आपका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा : पीएम मोदी

नई दिल्ली । आरएनएस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और क्रू-9 टीम की धरती पर सुरक्षित वापसी के बाद सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी खुशी जाहिर की।

पीएम नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर सुनीता विलियम्स के साथ एक पुरानी तस्वीर शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, आपका स्वागत है क्रू-9, धरती ने आपको याद किया। यह उनके धैर्य, साहस और मानवीय भावना की परीक्षा रही। सुनीता विलियम्स और क्रू-9 के अंतरिक्ष यात्रियों ने एक बार फिर हमें दिखाया है कि दृढ़ता का वास्तव में क्या मतलब है। अज्ञात के सामने उनका अटूट दृढ़ संकल्प हमेशा लाखों लोगों को प्रेरित करेगा।

पीएम मोदी ने आगे कहा, अंतरिक्ष अन्वेषण का मतलब है मानवीय क्षमता की सीमाओं को आगे बढ़ाना, सपने देखने का साहस करना और उन सपनों को हकीकत में बदलने का साहस रखना। सुनीता विलियम्स, एक पथप्रदर्शक और एक आइकान, ने अपने पूरे करियर में इस भावना का उदाहरण दिया है। हमें उन सभी पर बहुत गर्व है जिन्होंने क्रू-9 की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अथक मेहनत की। उन्होंने दिखाया है कि जब सटीकता, जुनून से मिलती है और तकनीक, दृढ़ता से मिलती है तो क्या होता है।

बता दें कि अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और बुच विलमोर, साथ ही नासा के निक हैग और रूसी अंतरिक्ष यात्री अलेक्जेंडर गोर्बुनोव, नौ महीने के लंबे मिशन के बाद पृथ्वी पर वापस लौटे हैं। एस्ट्रोनॉट्स को स्पेसएक्स के ड्रैगन अंतरिक्ष यान द्वारा सुरक्षित रूप से फ्लोरिडा के तट पर उतारा गया। धरती पर लौटे अंतरिक्ष यात्रियों को एक सुंदर और अप्रत्याशित अनुभव हुआ। उनका स्वागत डॉल्फिन ने किया। ड्रैगन कैप्सूल के समुद्र में उतरते ही डॉल्फिन कैप्सूल के आसपास तैरते हुए देखे गए।

यह एक लगभग जादुई क्षण था जब डॉल्फिन ने ड्रैगन कैप्सूल के चारों ओर चक्कर लगाया, इससे पहले कि इसे रिकवरी पोत पर रखा जाता। रिकवरी टीम ने कैप्सूल के साइड हैच को सावधानी से खोला, जो सितंबर के बाद से पहली बार खुला था। अंतरिक्ष यात्रियों को कैप्सूल से बाहर निकाला गया और 45 दिनों के पुनर्वास कार्यक्रम के लिए ह्यूस्टन ले जाया गया। क्रू-9 की पृथ्वी पर वापसी में अपनी चुनौतियां थीं।

15 लोगों को लेकर जा रही नाव बांध में पलटी, चार बच्चों सहित सात की मौत; आठ को बचाया

शिवपुरी । आरएनएस

मध्यप्रदेश के शिवपुरी जिले में एक नाव पलट गई। नाव में सवार तीन महिलाएं और चार बच्चे डूब गए और 8 अन्य लोगों को रेस्क्यू कर बाहर निकाल लिया गया। जानकारी के अनुसार, होली मनाने के लिए टापू पर महिलाओं और बच्चों समेत 15 लोगों को ले जा रही नाव खनियाधाना के रजवान गांव के पास माताटीला बांध में पलट गई। नाव में सवार सात लोग डूब गए, जिनमें तीन महिलाएं और चार बच्चे शामिल हैं, जबकि आठ अन्य तैरकर सुरक्षित निकल आए। एसडीएम पिछोर शिवदयाल धाकड़ ने इसकी पुष्टि की है। घटना की सूचना मिलने पर मौके पर जिला प्रशासन की टीम पहुंच गई है। गोताखोरों की मदद ली जा रही है। रेस्क्यू ऑपरेशन के लिए एनडीआरएफ की भी मदद ली जा रही है

डूबने वालों की तलाश की जा रही है। एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंच चुकी है। डूबने वालों की पहचान शारदा (55) कुमकुम (15 साल) लीला (40) चाइना (14) कान्हा (7) राम देवी (35) शिवा(8) के तौर पर हुई है। शिवपुरी एसपी ने बताया है कि राहत-बचाव कार्य तेज कर दिया गया है। लापता लोगों की खोज तेज कर दी गई है।

इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने दुख प्रकट किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने पोस्ट में लिखा, शिवपुरी जिले के अंतर्गत खनियाधाना थाना क्षेत्र में माताटीला बांध के बीच में बने टापू पर स्थित सिद्ध बाबा मंदिर में फाग होली के लिए जा रहे 15 श्रद्धालुओं को लेकर जा रही नाव पलटने की दुर्भाग्यपूर्ण घटना में कुछ श्रद्धालुओं की डूबने से असामयिक मृत्यु अत्यंत ही दुखद है। दु:ख की इस घड़ी में मेरी संवेदना शोक संतप्त परिवारों के साथ है। जिला प्रशासन, स्थानीय नागरिकों और एसडीआरफ के जवानों की मदद से आठ लोगों को सुरक्षित रेस्क्यू कर लिया गया है। मृतकों के निकटतम परिजनों को मुख्यमंत्री स्वेच्छानुदान से 2-2 लाख की आर्थिक सहायता राशि जारी करने के निर्देश दिए गए है।

जम्मू में आतंक के खिलाफ बड़ा प्रहार, घुसपैठ मामले में एनआईए ने 10 स्थानों पर की छापेमारी

जम्मू । आरएनएस

राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने जम्मू-कश्मीर के भटिंडी में घुसपैठ से जुड़े मामले में बड़ी कार्रवाई की है। बुधवार सुबह, जम्मू में 10 स्थानों पर छापेमारी की गई। बताया गया कि पाकिस्तान से भारत में आतंकवादियों की घुसपैठ को लेकर यह कार्रवाई की गई है।

बता दें कि जम्मू-कश्मीर में आतंकवादियों की घुसपैठ मामले में एनआईए छापेमारी करती रही है। इससे पहले 13 दिसंबर 2024 को एनआईए ने छापेमारी की थी, जिसमें जम्मू-कश्मीर के विभिन्न जिलों समेत कुल 19 स्थानों पर रेड डाली गई। इस दौरान जम्मू-कश्मीर के रियासी, बडग़ाम, अनंतनाग और बारामुला जिलों में छापेमारी की गई थी।

एनआईए ने 21 नवंबर 2024 को भी जम्मू के कई इलाकों में छापेमारी की थी। एनआईए की इस छापेमारी का मकसद पाकिस्तानी आतंकियों के भारत में घुसने के प्रयासों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी जुटाना था। एनआईए ने पुलिस और अर्धसैनिक बल सीआरपीएफ की मदद से कई स्थानों पर छापेमारी की थी।

वहीं, 5 अक्टूबर को 5 राज्यों के 22 ठिकानों पर आतंकी साजिश और टेरर फंडिंग के शक में एक साथ छापेमारी की थी। एनआईए की ओर से यह छापेमारी महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश, असम और दिल्ली में की गई थी। कार्रवाई आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े मामलों को लेकर की गई थी। एनआईए ने जम्मू-कश्मीर में बारामूला और अन्य क्षेत्रों में भी छापेमारी की थी। बारामूला में मौलवी इकबाल भट के घर पर एनआईए ने सुरक्षा बलों की मदद से तलाशी ली थी।

एनआईए की इस कार्रवाई से पहले 1 अक्टूबर को पश्चिम बंगाल के कई जिलों में छापेमारी की गई थी। 1 अक्टूबर को एनआईए की टीम ने दक्षिण 24 परगना, आसनसोल, हावड़ा, नदिया और कोलकाता में 11 जगहों पर छापेमारी की थी।

बच्चों को उपहार में दी गई संपत्ति माता-पिता को वापस लेने का अधिकार, मद्रास हाईकोर्ट ने सुनाया बड़ा फैसला

नई दिल्ली । आरएनएस

मद्रास हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में कहा है कि वरिष्ठ नागरिक अपने बच्चों या करीबी रिश्तेदारों को उपहार में दी गई संपत्ति को रद्द कर सकते हैं यदि वे उनकी देखभाल करने में विफल रहते हैं। अदालत ने स्पष्ट किया कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा 23(1) ऐसे वरिष्ठ नागरिकों को सुरक्षा प्रदान करती है जिन्होंने इस उम्मीद में अपनी संपत्ति हस्तांतरित की थी कि उनकी देखभाल की जाएगी।

न्यायमूर्ति एस एम सुब्रमण्यम और न्यायमूर्ति के राजशेखर की खंडपीठ ने यह फैसला दिवंगत एस नागलक्ष्मी की पुत्रवधू एस माला द्वारा दायर अपील को खारिज करते हुए सुनाया। नागलक्ष्मी ने अपने बेटे केशवन के पक्ष में एक समझौता विलेख निष्पादित किया था, जिसमें यह अपेक्षा थी कि वह और उसकी पत्नी उनके जीवनभर उनकी देखभाल करेंगे। हालांकि, उनके बेटे और बाद में उनकी बहू ने उनकी देखभाल नहीं की।

नागलक्ष्मी के बेटे की मृत्यु के बाद उनकी बहू एस माला ने भी उनके साथ दुर्व्यवहार किया, जिसके बाद उन्होंने नागपट्टिनम के राजस्व प्रभाग अधिकारी (आरडीओ) से संपर्क किया। आरडीओ ने नागलक्ष्मी के बयान दर्ज करने और मूल समझौता विलेख को ध्यान में रखते हुए, जिसे उन्होंने अपने बेटे के भविष्य के लिए प्यार और स्नेह से लिखा था, उसे रद्द कर दिया। माला ने इस आदेश को चुनौती देते हुए पहले एक याचिका दायर की, जिसे खारिज कर दिया गया था। इसके बाद उन्होंने हाईकोर्ट में अपील की, जिसे अब खारिज कर दिया गया है।

अदालत ने अपने फैसले में कहा कि माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 की धारा 23(1) विशेष रूप से उन परिस्थितियों में वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा के लिए बनाई गई है जहां वे अपनी संपत्ति को उपहार या समझौते के माध्यम से इस भरोसे पर हस्तांतरित करते हैं कि व्यक्ति उनकी बुनियादी जरूरतों का ध्यान रखेगा।

पीठ ने स्पष्ट रूप से कहा कि यदि वह व्यक्ति इन दायित्वों को निभाने में विफल रहता है, तो वरिष्ठ नागरिक के पास न्यायाधिकरण से घोषणा प्राप्त करने का कानूनी अधिकार है कि हस्तांतरण को रद्द किया जाए।

अदालत ने आगे टिप्पणी की कि वरिष्ठ नागरिक अधिनियम के तहत आरडीओ के समक्ष प्रस्तुत तथ्यों से स्पष्ट रूप से पता चलता है कि संबंधित समय पर बुजुर्ग महिला 87 वर्ष की थीं और उनकी बहू द्वारा उनकी पूरी तरह से उपेक्षा की जा रही थी। इस फैसले से उन वरिष्ठ नागरिकों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है जो अपनी संपत्ति हस्तांतरित करने के बाद उपेक्षा का शिकार होते हैं।

दर्दनाक हादसा : टेंपो में लगी भीषण आग, ग्राफिक्स कंपनी के चार कर्मचारी जिंदा जले, कई झुलसे

पुणे । आरएनएस

पुणे के हिंजेवाड़ी इलाके में एक टेम्पो में भीषण आग लग गई। टेम्पो में सवार चार लोगों की जलने से दर्दनाक मौत हो गई। चारों लोग व्योमा ग्राफिक्स कंपनी के कर्मचारी थे। इस टेम्पो में कंपनी के कुल 12 कर्मचारी यात्रा कर रहे थे। पूरा टेम्पो जलकर राख हो गया है।

मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, हिंजेवाड़ी फेज-1 में ड्राइवर के पैरों के नीचे अचानक आग लग गई। तभी ड्राइवर और आगे का स्टाफ तुरंत नीचे उतर गया। हालांकि, पीछे का दरवाजा नहीं खुलने के कारण चार लोगों की जलकर मौत हो गई।

घटना से इलाके में हडक़ंप मच गया। आस-पास के लोग मौके पर पहुंचे। उन्होंने आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। दुर्घटना की सूचना मिलने पर पुलिस की टीम भी मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को तुरंत इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, पुलिस ने चारों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस घटना की जांच कर रही है।

जादू-टोना के शक में ग्रामीणों ने बाप-बेटे पर किया हमला, 3 की मौत; 12 लोग हिरासत में लिए गए

भुवनेश्वर । आरएनएस

ओडिशा में एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है।जहां टोना-टोटका के संदेह में 3 लोगों की हत्या कर दी गई है। गंजाम जिले के धराकोट ब्लॉक के बडग़ड़ थाना अंतर्गत खालीपल्ली गांव में टोना-टोटका के संदेह में ग्रामीणों के हमले में पिता-पुत्र की मौत हो गई है। वहीं, हमला होने पर पिता-पुत्र ने भी पलटवार किया था, इसमें 1 ग्रामीण की मौत हो गई है और 3 अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। 3 लोगों को गंभीर हालत में धराकोट अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलने के बाद गांव में भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। 12 लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है। जानकारी के मुताबिक तीन साल पहले टोना-टोटका के संदेह में ग्रामीणों ने गांव के 4 परिवारों पर प्रतिबंध लगाते हुए उनका बहिष्कार करते हुए उनकी पिटाई की थी।

घटना के संबंध में एक प्राथमिकी भी दर्ज की गई थी। हालांकि, दो परिवार डर के मारे गांव छोडक़र बाहर चले गए थे। घटना के छह माह बाद दोनों परिवार पुलिस की मदद से ग्रामीणों को समझाने-बुझाने के बाद गांव लौटे। इसके बाद से ही ग्रामीणों और उक्त परिवार के बीच झगड़ा लगा रहता था, जिसका नतीजा मंगलवार रात को देखने को मिला। रविवार रात को खदाल बेहरा द्वारा गांव में गाली-गलौज को लेकर बहस शुरू हुई। बहस के दौरान, उनके बेटे रत्नाकर बेहरा ने अचानक ग्रामीणों पर तलवार से हमला कर दिया, जिसमें चार ग्रामीण गंभीर रूप से घायल हो गए। उधर, ग्रामीणों के हमले में पिता-पुत्र की मौके पर ही मौत हो गई है। इस घटना के बाद गांव में तनाव व्याप्त हो गया है।

वंदे भारत एक्सप्रेस की रफ्तार पर 'लहंगे' ने लगाया ब्रेक, 20 मिनट तक रुकी रही ट्रेन

कानपुर । आरएनएस

देश की सबसे तेज ट्रेनों में से एक वंदे भारत एक्सप्रेस को उत्तर प्रदेश के कानपुर में एक असामान्य कारण से रुकना पड़ा। सोमवार को नई दिल्ली से वाराणसी जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस (ट्रेन संख्या 22436) के ओवरहेड इलेक्ट्रिक वायर में एक लहंगा फंस गया, जिसके कारण ट्रेन लगभग 20 मिनट तक खड़ी रही। इस घटना ने रेलवे अधिकारियों को भी हैरान कर दिया है।

जानकारी के अनुसार, ट्रेन कानपुर सेंट्रल स्टेशन से प्रयागराज की ओर रवाना हुई थी। स्टेशन से लगभग एक किलोमीटर दूर शांति नगर क्रॉसिंग के पास तेज हवा में उड़ता हुआ एक लहंगा ओएचई लाइन के तारों में उलझ गया, जिससे धुंआ निकलने लगा। खतरे को भांपते हुए ट्रेन के चालक ने तुरंत गाड़ी रोक दी और कंट्रोल रूम को इसकी सूचना दी।

घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे के उच्च अधिकारी मौके पर पहुंचे। अनुमान लगाया जा रहा है कि आसपास के किसी घर की छत से तेज हवा के कारण लहंगा उडक़र बिजली के तारों में फंस गया और उसमें आग लग गई। रेलवे के इलेक्ट्रिक स्टाफ ने तुरंत कार्रवाई करते हुए लहंगे को तारों से हटाया और ओएचई लाइन की गहन जांच की। इस प्रक्रिया में लगभग 20 मिनट का समय लगा, जिसके बाद ट्रेन को आगे के लिए रवाना किया गया।

कानपुर सेंट्रल के वाणिज्य निरीक्षक (सीटीआई) आशुतोष सिंह ने इस घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि इलेक्ट्रिक लाइन में एक कपड़ा फंसा हुआ था। जैसे ही ट्रेन के ड्राइवर ने इसे देखा, उन्होंने तुरंत ट्रेन को रोक दिया। कपड़े को हटाने के बाद, लाइन की पूरी तरह से जांच की गई और उसके बाद ही ट्रेन को आगे बढ़ाया गया।

स्थानीय लोगों के अनुसार, शांति नगर क्रॉसिंग के आसपास घनी आबादी है और कई मकान बने हुए हैं। लोग अक्सर अपने कपड़े छतों पर सुखाने के लिए डालते हैं। माना जा रहा है कि तेज हवा के चलते ही यह लहंगा उडक़र वंदे भारत एक्सप्रेस के ओएचई लाइन में फंस गया होगा, जिससे ट्रेन की रफ्तार पर अप्रत्याशित ब्रेक लग गया।